



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 554 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 2, 2000/कार्तिक 11, 1922

No. 554]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 2, 2000/KARTIKA 11, 1922

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 2000

1/2000-स्वापक निर्यंत्रण-I

सा.का.नि. 844( अ ).—स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी द्रव्य नियमावली, 1985 के नियम 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, पहली अक्टूबर, 2000 से आरंभ होने वाले और 30 सितम्बर, 2001 को समाप्त होने वाले अफीम फसल वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार की ओर से अफीम पोस्ट की खेती के लिए नीचे विनिर्दिष्ट लाइसेंसों की मंजूरी हेतु सामान्य शर्तें अधिसूचित करती हैं :—

प्रस्तावना

भारत सरकार—

अफीम के अनिवार्य औषधीय उपयोग पर विचार करते हुए,

अफीम पोस्ट की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस कच्ची सामग्री के एकमात्र वैध सप्लायर के रूप में अपनी भूमिका को समझते हुए,

औषध अवैध व्यापार, औषधि दुरुपयोग और स्वापक औषधि जनित उग्रवाद की रोकथाम करने की आवश्यकता के प्रति सजगता दर्शाते हुए,

एतद्वारा फसल वर्ष 2001 के लिए अफीम की खेती के लिए लाइसेंस मंजूर करने हेतु निम्नलिखित सामान्य शर्तें निर्धारित करती हैं :—

## 1. खेती करने के स्थान

किसी भी ऐसे भूखण्ड में पोस्ट की खेती के लिए लाइसेंस दिया जा सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित किया जाए।

## 2. खेती के लिए पात्रता

केवल वही किसान जिन्होंने फसल वर्ष 2000 के दौरान मध्य प्रदेश/राजस्थान के राज्यों में औसतन कम से कम 50 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर अथवा उत्तर प्रदेश में 42 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर उपज प्रस्तुत की हो, वे ही लाइसेंस के पात्र होंगे।

तथापि, उपर्युक्त सीमा निम्नलिखित श्रेणियों के किसानों पर लागू नहीं होगी :

- (i) उसने सरकारी देख-रेख में फसल वर्ष 2000 के दौरान पूरी पोस्ट खेती की जुताई की हो,
- (ii) उसकी लाइसेंस मंजूर न करने के खिलाफ अपील को फसल वर्ष 2000 में निपटान की अंतिम तारीख के बाद अनुमति दे दी गई हो, अथवा
- (iii) उसने पिछले किसी भी वर्ष में पोस्ट की खेती की हो और अनुवर्ती वर्ष में लाइसेंस के लिए पात्र हो, किन्तु उसने किसी कारणवश स्वैच्छा से लाइसेंस प्राप्त न किया हो अथवा उसने अनुवर्ती फसल वर्ष में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद किसी कारणवश पोस्ट की खेती न की हो।

### 3. लाइसेंस की शर्तें

किसी भी किसान को तब तक लाइसेंस मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा न करता हो :—

- (क) उसने फसल वर्ष 2000 के दौरान पोस्ट की खेती के लिए लाइसेंसशुदा और नापे गए क्षेत्र से अधिक क्षेत्र में खेती न की हो ;
- (ख) उसने कभी भी, अफीम पोस्ट की अवैध खेती न की हो अथवा स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी द्रव्य पदार्थ अधिनियम, 1985 और उसके अंतर्गत बनाये गये नियमों के अंतर्गत उस पर किसी अपराध के लिए सक्षम न्यायालय में आरोप नहीं लगाया गया हो ;
- (ग) फसल वर्ष 2000 के दौरान उसने केन्द्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो द्वारा किसानों को जारी विभागीय अनुदेशों का उल्लंघन न किया हो अथवा अपनी अफीम में कोई मिलावट न की हो।

### 4. अधिकतम क्षेत्र

कृषि के लिए अलग क्षेत्र केवल 20 आरी होगा। लाइसेंसधारकों को उस संपूर्ण क्षेत्र में खेती करनी होगी जिसके लिए लाइसेंस जारी किया गया है। यदि कोई लाइसेंसधारक उपर्युक्त शर्तों का पालन नहीं करता है तो वह आगामी फसल वर्षों के लिए अफीम पोस्ट की खेती के लाइसेंस का हकदार नहीं होगा।

किसान एक से अधिक प्लॉट में अफीम पोस्ट बो सकता है परन्तु प्रत्येक प्लॉट 10 आरी से कम नहीं होना चाहिए।

ऊपर बताई गई बातों के बावजूद, सरकार अफीम की खेती वाले राज्यों में अनुसंधान प्रयोजनों के लिए कृषि अनुसंधान संस्थाओं अथवा कृषि विश्वविद्यालयों को 20 आरी से अधिक क्षेत्र आबंटित कर सकती है।

### 5. माफी योग्य सीमा

अतिरिक्त अथवा कम खेती के संबंध में माफी योग्य सीमा लाइसेंसशुदा क्षेत्र के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

### 6. फसल वर्ष 2002 में न्यूनतम अर्हक उपज

अनुवर्ती वर्ष में अफीम लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्र बनने हेतु फसल वर्ष 2001 के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान में प्रति हैक्टेयर 52 किलो ग्राम और उत्तर प्रदेश में प्रति हैक्टेयर 44 किलो ग्राम की न्यूनतम अर्हकारी उपज अवश्य प्रस्तुत की जानी चाहिए।

### 7. विविध

(i) इन अनुदेशों से नार्कोटिक्स आयुक्त और/अथवा नारकोटिक्स उपायुक्त के किसी लाइसेंस को जारी करने अथवा इसे रोकने के अधिकार को कोई क्षति नहीं पहुंचती जब भी वह स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी द्रव्य पदार्थ अधिनियम, 1985 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों/उपबंधों के अनुसार ऐसा करना ठीक समझता हो।

(ii) लाइसेंस इस शर्त पर दिया जाएगा कि किसी भी खेत को ऐसे प्रयोगों के प्रयोजनार्थ अधिगृहीत किया जा सकता है जिन्हें सरकार द्वारा विशिष्ट संस्था अथवा एजेंसी के साथ सहयोग करके किया जाए, जिस किसान के खेतों को इस प्रयोजन के लिए चुना जाएगा उसे अगले वर्ष लाइसेंस मंजूर करने पर विचार किया जाएगा चाहे उसने फसल वर्ष 2001 के दौरान कितनी ही उपज प्रस्तुत क्यों न की हो, और वह अन्यथा पात्र हो।

(iii) ऊपर वर्णित अफीम की मात्रा का कारखाना विश्लेषणों के आधार पर 70 डिग्री शुद्धता के आधार पर हिसाब लगाया जाएगा।

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, 2nd November, 2000

**1/2000-Narcotics Control-I**

**G.S.R. 844(E).**— In pursuance of rule 8 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1985, the Central Government hereby notifies the general conditions for grant of licences specified below for cultivation of opium poppy on account of the Central Government during the Opium crop year commencing on the 1<sup>st</sup> day of October, 2000 and ending with the 30<sup>th</sup> day of September, 2001.

**PREAMBLE**

The Government of India--

**CONSIDERING** the indispensable medicinal use of opium,

**RECOGNISING** its role as the sole licit supplier of this raw material to meet requirements of opiates,

**CONSCIOUS** of the necessity to prevent and combat drug trafficking, drug abuse and narco-terrorism,

**HEREBY** lays down the following general conditions for grant of licences for opium cultivation for the crop year 2001.

**1. PLACES OF CULTIVATION**

Poppy cultivation may be licenced in any tract as may be notified in this behalf by the Central Government.

**2. ELIGIBILITY FOR CULTIVATION**

Only those cultivators who have tendered an average yield of not less than 50 kgs./hectare in the States of Madhya Pradesh / Rajasthan or 42 kgs./hectare in Uttar Pradesh during the crop year 2000 shall be eligible for licences.

However, the above limit shall not be applicable to the cultivators of the following categories:

- (I) Who ploughed back their entire poppy cultivation during the crop year 2000 under the supervision of Government,
- (II) Whose appeal against refusal of Licence has been allowed after the last date of settlement in the crop year 2000; or
- (III) Who cultivated poppy in any previous year and were eligible for licence in the following year, but did not voluntarily obtain the licence for any reason, or who after having obtained licence for the following crop year, did not cultivate poppy due to any reason.

**3. CONDITIONS OF LICENCE**

No cultivator shall be granted licence unless he/she satisfies that:

- (a) He/She did not exceed the area licenced and measured for poppy cultivation during the crop year 2000;

- (b) He/She did not at any time resort to illicit cultivation of opium poppy and was not charged in the competent court for any offence under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 and the Rules made thereunder;
- (c) During the crop year 2000 he/she did not violate any departmental instructions issued by the Central Bureau of Narcotics to the cultivators or had not adulterated his/her opium;

#### **4. MAXIMUM AREA**

Individual area for cultivation shall be 20 ares only. The licensees shall sow in the entire area for which license has been issued. Failure to follow the above conditions shall disentitle the licensees for license of opium poppy cultivation for future crop years.

A cultivator can sow opium poppy in more than one plot but each plot should not be less than 10 ares.

Notwithstanding anything stated above, the Government may allot an area of more than 20 ares to the agricultural research institutes or Agriculture University in opium states for research purposes.

#### **5. CONDONABLE LIMIT**

The condonable limit in respect of excess or shortfall in cultivated area shall not exceed 5% of the licenced area.

#### **6. MINIMUM QUALIFYING YIELD IN THE CROP YEAR 2002**

A minimum qualifying yield of 52 kg/hectare in Madhya Pradesh and Rajasthan and 44 kg/hectare in Uttar Pradesh must be tendered during the crop year 2001 to become eligible for opium licence in the following year.

#### **7. MISCELLANEOUS**

(i) These instructions are without prejudice to the right of the Narcotics Commissioner/Deputy Narcotics Commissioner to issue/withhold a licence whenever it is deemed proper so to do in accordance with the provisions of the Narcotics Drugs & Psychotropic Substances Act, 1985 and the Rules made thereunder.

(ii) The licence will be subject to the condition that any field may be taken over for experiments that may be conducted by the Government in collaboration with specialised institution or agency. The cultivator whose fields are so selected shall be considered for granting licence next year irrespective of the yield tendered by him during the crop year 2001, if otherwise eligible.

(iii) The quantity of opium mentioned above will be calculated at 70° consistence, on factory analysis.

[No. 1/2000/F. No. 616/3/2000-NARCOTICS CONTROL-I]

ASHOK CHAKRABARTI, Under Secy.